डोप उल्लंघन पर वाडा की रिपोर्टः भारत का वैश्विक डोप रोधी रिकार्ड में सुधार।

विश्व डोप रोधी एजेंसी द्वारा प्रकाशित वार्षिक सांख्यिकी रिपोर्ट के अनुसार भारत में डोप रोधी उल्लंघनों की संख्या में कमी आई है। विश्व डोप रोधी एजेंसी द्वारा प्रकाशित इससे पूर्ववर्ती तीन वार्षिक रिपोर्टों में भारत उन तीन देशों में से है, जहां सबसे अधिक डोप रोधी नियमों का उल्लंघन हुआ है, लेकिन अब भारत में डोपिंग के मामले घटे हैं तथा ऐसे 69 मामलों के साथ भारत छठे स्थान पर है। अब अन्य पाँच देशों में डोपिंग के मामलें भारत से अधिक पाए गए है।

वर्ष 2016 में डोप उल्लंघनों के 79 मामलों में से 60 मामलें प्रतिस्पर्धा के दौरान 8 मामलें प्रतिस्पर्धा से बाहर तथा 1 मामला गैर–विश्लेषणात्मक पाया गया। सबसे अधिक उल्लंघन एथलेटिक्स में हुए जिसमें 21 मामले सामने आए और उसके बाद पॉवर लिफ्टिंग तथा भारोत्तोलन जिसमें प्रत्येक में 14 मामले सामने आए। राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी ने वर्ष 2016 में कुल 3363 नमूने एकत्रित किए गए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण प्राधिकरण भी सम्मिलित है।

वर्ष 2017 में नाडा ने 3594 डोप परीक्षण किए जिसमें 282 रक्त परीक्षण भी सम्मिलित है। इनमें से 73 मामलों में विपरीत विशलेषणात्मक नतीजे सामने आए है तथा उसके अतिरिक्त 4 अन्य गैर–विश्लेषणात्मक नियम उल्लंघन पाए गए। वर्ष 2016 में भी 73 विपरीत विश्लेषणात्मक नतीजे आए थे जिसमें 68 नतीजे पर निर्णय लिया गया जिनमें 67 खिलाड़ियों को दोषी करार दिया गया एवं उचित प्रतिबंध लगाया गया।

डोप नियंत्रण के क्षेत्र में भारत की सफलता का मुख्य कारण व्यापक निवारण रणनीति को माना जा सकता है जिसमें एथलीट जागरूकता कार्यक्रम, क्षेत्रीय भाषाओं मे डोप रोधी जानकारी का प्रचार, नाडा की नई वेबसाइट द्वारा ई–लर्निंग की सुविधा, डोप रोधी जागरूकता को दूरदर्शन एवं अन्य एजेंसियों द्वारा प्रचार एवं आस्ट्रेलियन खेल डोप रोधी प्राधिकरण के सहयोग से भारत में डोप रोधी कार्यक्रम में सुधार एवं खिलाड़ियों को डोप रोधी सलाह का विवरण सम्मिलित है। इसके अलावा सूचना के आधार पर डोप परीक्षण एवं अन्वेषण के आधार पर परिणाम प्रबंधन जिससे डोप दोषियों को सख्त दंड दिया गया जिसके प्रभाव से भी भारत में डोप के प्रकरण में कमी आई है।

डोप रोधी नैतिक मूल्यों की अब भारत में खिलाड़ियों को विद्यालय स्तर पर ही शिक्षा दी जा रही है एवं प्रथम खेलों इंडिया स्कूल गेम्स के दौरान भी युवा खिलाड़ियों का डोप परीक्षण किया गया। इसी के साथ ही कॉमन वेल्थ गेम्स 2018 में चयनित भारतीय दल के खिलाड़ियों का डोप परीक्षण भी नाडा के द्वारा किया गया और उनकों निषिद्ध पदार्थों से दूर रहने की सलाह भी दी गई।